Fees payable to advocates of Supreme Court and High Courts

1808. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the standard of fees payable to advocates in respect of cases for Supreme Court and High Courts have gone abronmally high;

(b) what measures are being taken to save the common man from high fees of lawyers of Supreme Court and High Courts; and

(c) whether it is a fact that only rich people who can afford to spend money on litigation succeed in legal battles and if so, what remedial measures are proposed to be taken by Government to secure justice to the common man?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) The payment of fees to a counsel in the Supreme Court and the High Courts depends upon his standing and reputation at the Bar. As a matter of fact, some Advocates do charge very high fees depending upon the importance and stakes involved in the matter.

(b) The Rules of the Supreme Court and the High Courts contain generally a table of fees for the purpose of taxation. It is open for a common man to engage only such Advocates for defending his interests who charge a reasonable fee.

(c) No, Sir. The Courts of justice are open for a common man to seek justice. In cases where one cannot afford to spend money on litigation, 'The Legal Aid to the Poor' schemes started by the Central Government and State Governments make available free legal aid to such people who are covered by the same.

पावर-टिलर

1809. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पावर टिलर का मूल्य 30,000 से 35,000/- रु० चला गया है और यह कीमत किसानों की पहुंच से बाहर हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार कब तक इसकी खरीद के लिए राजसहायता (सब-सीडी) देने के प्रश्न पर विचार करने का विचार रखती है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि पावर टिलर बड़े उपयोगी होते हैं, और पावर टिलरों के प्रचार, प्रसार तथा प्रयोग के मामले में धीमी गति के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार इस मामले पर विचार करने का विचार रखती है ?

औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) पावर टिलर का मूल्य उत्पादकों द्वारा निविष्टियों की लागत, निवेश की गई राशि और क्षमता के उपयोग के आधार पर निश्चित किया जाता है ।

(ख) इस समय, पावर टिलरों की खरीद के लिए राजसहायता प्रदान करने के लिए कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

(ग) भारत में ट्रैक्टरों के बहु-उद्देशीय प्रयोग की तुलना में पावर टिलर का सीमित उपयोग है । चूंकि ट्रैक्टर बहुद्देशीय मशीन है और खींचने के लिए मुख्य चालक के रूप में इसका प्रयोग किया जाता है, अतः इसे पावर टिलर की तुलना में ज्यादा पसन्द किया जाता है । कम अश्व-शक्ति के ट्रैक्टर और पावर टिलर के बीच मूल्य का अन्तर पर्याप्त नहीं है इसलिए, किसान बहुद्देशीय मशीन को खरीदना ज्यादा पसन्द करते हैं ।